उद्देश्य *- इस कोर्स का उद्देश्य विद्यार्थियों को ताल पद्धति, एकल वादन, संगतका विस्तृत ज्ञान देना और संगीत ग्रन्थों व संगीतज्ञों के जीवन से अवगत कराना है* ।**संगीत(तबला)**				
क्र0 सं0	**कोर्स का नाम**	**कोर्स कोड**	**अंक**	**श्रेयांक**
2	**तालों का अध्ययनI**	**एम0पी0ए0एम0टी0-102**	**100**	**4**
प्रथम खण्ड	****ताल पद्धति एवं तबला सम्बन्धित पारिभाषिक शब्दो की व्याख्या***			
	इकाई 1 -प्राचीन ताल पद्धति का अध्ययन एवं वर्तमान उत्तर भारतीय ताल पद्धति से तुलना।			
	इकाई 2 -दक्षिण भारतीय ताल पद्धति का अध्ययन एवं उत्तर भारतीय ताल पद्धति से तुलना।			
	इकाई 3 -परिभाषा (मुखडा, मोहरा, कायदा, पेशकारा, रेला, रौ, दर्जेवाली गत, मंजेदार गत, तिस्र और मिस्र जाति की गत, चारबाग गत वपरन)।			
द्वितीय खण्ड	****वादन सिद्धान्त***			
	इकाई 1 -एकल वादन एवं शास्त्रीय गायन के साथ संगत।			
	इकाई 2 -ठुमरी, दादरा, गजल वकुमाउँनी होली के साथ संगत।			
	इकाई 3 -स्वर वाद्य एवं नृत्य के साथ संगत।			
तृतीय खण्ड	***संगीतज्ञों का जीवन परिचय, ग्रन्थ अध्ययन एवं निबंध लेखन***			
	इकाई 1 - संगीतज्ञों (उ0 अहमद जान थिरकवा, उस्ताद करामत उल्ला खॉं, पं0 किशन महाराज वनाना साहब पानसे) का जीवन परिचय एव भारतीय शास्त्रीय संगीत में योगदान।			
	इकाई 2 -संगीत के प्रसिद्ध ग्रन्थों (नाट्यशास्त्र , बृहद्देशी , स्वरमेलकलानिधि व संगीत दर्पण) का अध्ययन।			
	इकाई 3 -संगीत संबंधी विषयों पर निबंध लेखन।			
चतुर्थ खण्ड	****पाठ्यक्रम की तालों का विस्तृत वर्णन एवं काललिपि में लिखना***			
	इकाई 1 -तालों का परिचय एवं लिपिबद्ध करना।			
	इकाई 2 -तबले की रचनाओं (पाठ्यक्रमानुसार) को लिपिबद्ध करना।			
	इकाई 3 -पाठ्यक्रम की तालों के ठेकों को लयकारी(दुगुन, तिगुन, चौगुन, आड, कुआड वबिआड) सहित लिपिबद्ध करना।			
विस्तृत ताल - तीनताल, एकताल, आडाचारताल, धमारव 9 मात्रा की ताल । ***अविस्तृत ताल - चारताल, गजझम्पा, गणेश ताल, ब्रहम ताल, विष्णु ताल, शिखर ताल, कहरवा वदादरा*** ।				

सहायक/उपयोगी पाठ्य सामग्री -

1.वसन्त, संगीत विशारद, संगीत कार्यालय, हाथरस, उ0 प्र0 ।

2. गिरीश चन्द्र श्रीवास्तव, ताल परिचय (सभी भाग),संगीत सदन प्रकाशन, इलाहाबाद।

3. गिरीश चन्द्र श्रीवास्तव, ताल प्रभाकर प्रश्नोत्तरी, संगीत सदन प्रकाशन, इलाहाबाद ।

4. श्री मघुकर गणेश गोडबोले,तबला शास्त्र, अशोक प्रकाशन मंदिर, इलाहाबाद ।

5. डॉ0 आबान ई0 मिस्त्री, तबले की बन्दिशे, संगीत सदन प्रकाशन, इलाहाबाद ।

6. डॉ0 अरूण कुमार सेन,भारतीय तालों का शास्त्रीय विवेचन, हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल ।